Topic 1 :– 5,200 वर्ष पुरानी हड़प्पा बस्ती

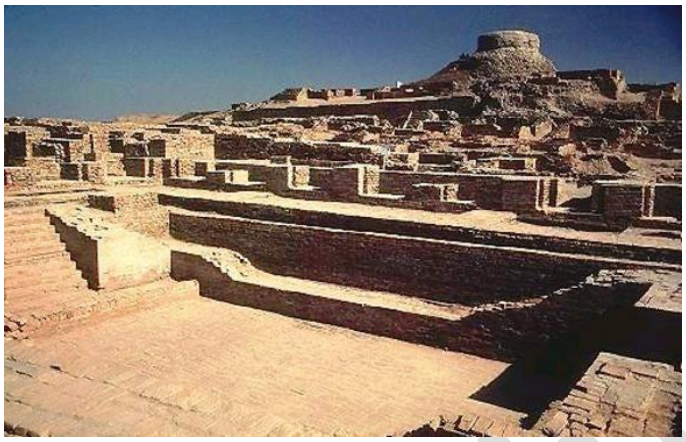

चर्चा में क्यों :– हाल ही में केरल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा गुजरात के पडता बेट (Padta Bet) नामक स्थान से 5,200 वर्ष पुरानी हड़प्पा बस्ती की खोज की गई है।

- यह स्थल गुजरात के कच्छ जिले के पद्टा बेट नामक पहाड़ की चोटी पर, जूना खटिया क़ब्रिस्तान के निकट अवस्थित है।
- यहां से किए गए आरंभिक उत्खनन से प्रारंभिक हड़प्पा से लेकर उत्तर हड़प्पा काल की कुछ वस्तुएं प्राप्त हुई। जिनमे मुख्य है मानव कंकाल, मिट्टी के बर्तन, जानवरों की हड्डियाँ, कीमती पत्थर, टेराकोटा मूर्तियां, चीनी मिट्टी के बर्तन, तांबा धातु और विभिन्न उपकरण।
- इससे पहले भी इन क्षेत्रों में खुदाई कार्य किए गए थे जिसमे जूना खटिया मुख्य स्थान था जहां से हमे 500 कब्रों वाला एक सामूहिक क़ब्रिस्तान प्राप्त हुआ था। इस खोज में प्राप्त मुख्य वस्तु टेराकोटा बर्तन हैं।
- इस खोज में प्राप्त कुछ महत्त्वपूर्ण संरचनाएं है जिसमे एक गोलाकार संरचना के अवशेष और विभिन्न अन्य आयताकार संरचनाओं के अवशेष प्राप्त हुए हैं
- यह साइट लगभग 200mx200m के क्षेत्र में स्थित है तथा दो अलग-अलग भागों में विभाजित हैं।
- प्राप्त अवशेष मुख्यत स्थानीय रूप से उपलब्ध बलुआ पत्थर और शैलों का प्रयोग करके बनाए गए हैं।
- प्राप्त स्थल के पास ही एक पहाड़ी के पास बहने वाली एक छोटी सी जलधारा थी जो इस स्थल के लिए पानी का एक सक्रिय स्रोत के रूप मे कार्य करती थी।

Result Mitra

Topic 2 :– 'टर्निंग 18' और 'यू आर द वन' अभियान

यह अभियान चुनाव आयोग द्वारा प्रारंभ किए गए है इन्हे 'टर्निंग 18' और 'यू आर द वन' नाम दिया गया है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य :– आगामी लोक सभा चुनावों में युवा और शहरी मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 'टर्निंग 18' (Turning 18) और 'यू आर द वन' (You are the One) अभियानों के माध्यम से जागरूकता पैदा करना।

निर्वाचन आयोग ने इस अभियान की लिए थीम के रूप में 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व' (Chunav Ka Parv, Desh Ka Garv) वाक्य को चुना है।

'टर्निंग 18' अभियान :– इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से युवा और 'पहली बार मतदान करने वाले युवाओं' को लक्षित करना है। जिससे उन्हें आगामी चुनावों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा सके।

'यू आर द वन' अभियान :– इस अभियान का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल विभिन्न हितधारकों के अमूल्य योगदान को पहचानना है।

इसी प्रकार निर्वाचन आयोग के द्वारा ऑनलाइन फेक न्यूज़ तथा 'गलत सूचनाओं' के प्रसार को रोकने के लिए 'वेरीफाई बिफोर यू एम्प्लिफाई' पहल की शुरुआत की गई है।

Topic 3 :– FSSAI India's Food Safety and Standards Authority (भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण)

चर्चा में क्यों :– खाद्य सुरक्षा विभाग, दिल्ली और FSSAI net साथ मिल कर दिल्ली में खाद्य पदार्थों को लक्षित करते हुए जागरूकता एवं संवेदीकरण कार्यक्रम शुरू किया।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु:

Result Mitra

यह अभियान खाद्य वस्तुओं में अशुद्धता को कब करने से संबंधित है जिसके तहत कई अलग-अलग प्रकार के उद्देश्यों को निर्धारित किया गया है

1. खाद्य उत्पादों में कीटनाशक अवशेषों को कम करना

2.कीटनाशक अवशेषों के हानिकारक प्रभावों एवं परीक्षण के महत्व पर चर्चा करना।

3. "फूड सेफ्टी ऑन व्हील" मोबाइल लैब की शुरुआत करना जिससे कीटनाशक अवशेषों का त्वरित परीक्षण किया जा सके।

4. संदूषकों का पता लगाने एवं उन्हें कम करने के प्रयास करना।

5. व्यापारियों को प्रोत्साहित करना जिससे वह त्वरित परीक्षण के लिए मोबाइल लैब (गतिशील प्रयोगशालाओं) का उपयोग करने के लिए आगे आए।

FSSAI :– India's Food Safety and Standards Authority (**भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) के बारे में:–**

यह एक वैधानिक तथा स्वायत्त निकाय है जो भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

कार्य :– देश के भीतर खाद्य सुरक्षा तथा गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न पहलुओं को विनियमित करना।

केंद्र सरकार ने fssai ko खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के रूप में गठित किया।

मुख्यालय :– दिल्ली में

FSSAI **के कार्य** :–

1.मानव उपभोग के लिये पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उत्पादन, भंडारण, वितरण, बिक्री और आयात की सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करना।

2.समय-समय पर खुदरा एवं थोक खाद्य-पदार्थों की गुणवत्ता की भी जाँच करना।

3. देश के सभी प्रशासनिक स्तर पर जैसे की राज्यों, जिलों एवं ग्राम पंचायत स्तरों पर खाद्य पदार्थों के उत्पादन और बिक्री के निर्धारित मानकों को बनाए रखने में सहयोग करना।

Result Mitra

Topic 4 :- भारत वायरल हेपेटाइटिस के सबसे अधिक बोझ वाले देशों में से, इसे कैसे रोकें :– डब्ल्यूएचओ

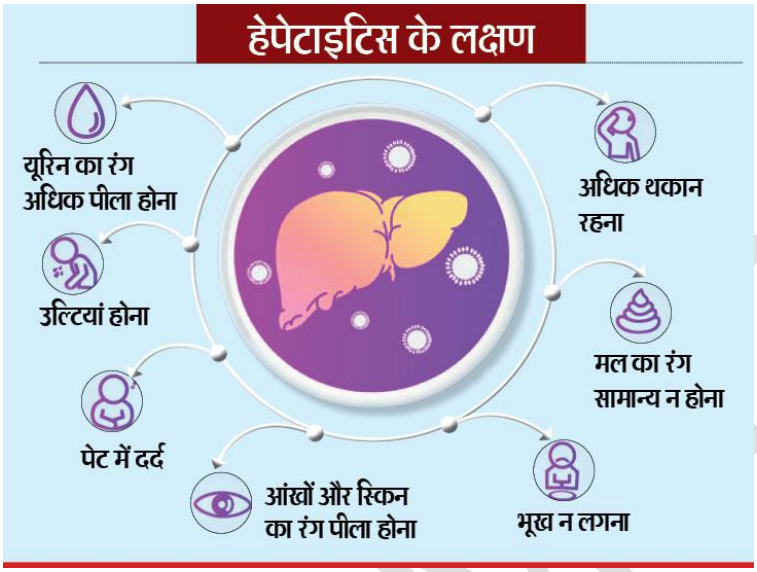

चर्चा में क्यों :– इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलीरी साइंसेज (आईएलबीएस) के वीसी डॉ. एसके सरीन ने हाल ही में एक वक्तव्य दिया है :– सभी नवजात शिशुओं को हेपेटाइटिस का टीकाकरण अवश्य कराना चाहिए। राष्ट्रीय कार्यक्रम में वैक्सीन शामिल होने से पहले पैदा हुए वयस्कों को भी टीका मिलना चाहिए। क्योंकि भारत में हेपेटाइटिस की बीमारी एक गंभीर समस्या है

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा वैश्विक हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024 जारी की गई जिसके अनुसार :–

भारत वायरल हेपेटाइटिस के सबसे अधिक बोझ वाले देशों में से एक है। यह संक्रमण यकृत में सूजन, क्षति का कारण बनता है और यकृत कैंसर का कारण बन सकता है
वर्तमान में भारत में 2.9 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी संक्रमण के साथ जी रहे हैं और 0.55 करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी संक्रमण के साथ जी रहे हैं। 2022 में 50,000 से अधिक नए हेपेटाइटिस बी मामले और 1.4 लाख नए हेपेटाइटिस सी मामले सामने आए।
रिपोर्ट के अनुसार इन संक्रमणों से 2022 में भारत में 1.23 लाख लोगों की मौत हो गई।

दोनों संक्रमण प्रसव के दौरान मां से बच्चे में फैलते हैं, ठीक से जांच न किए गए रक्त के संक्रमण के दौरान, संक्रमित व्यक्ति के रक्त के संपर्क के दौरान या नशीली दवाओं के उपयोगकर्ताओं द्वारा सुइयों को साझा करने के दौरान।

चूंकि हेपेटाइटिस बी को टीकाकरण के माध्यम से रोका जा सकता है, इसलिए रिपोर्ट कवरेज सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। जबकि हेपेटाइटिस सी का इलाज दवाओं से संभव है। हेपेटाइटिस एकमात्र संचारी रोग है जिसकी मृत्यु दर में वृद्धि हो रही है।

हेपेटाइटिस बी और सी क्या हैं :–

- वायरल हेपेटाइटिस के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रत्येक वर्ष विश्व हेपेटाइटिस दिवस 28 जुलाई को मनाया जाता है।

- हेपेटाइटिस :– किसी भी कारण से यकृत कोशिकाओं में होने वाली जलन या सूजन। यकृत की सूजन निम्न लिखित बीमारी से भी हो सकती है पीलिया, बुखार, उल्टी आदि।

- यह होने वाली सूजन छह महीने से अधिक समय तक भी रह सकती है, कई बार इसके कोई अनिवार्य लक्षण नहीं दिखाई देते।

हेपेटाइटिस होने का कारण:

सामान्यतौर पर यह A, B, C, D और E के रूप मे "हेपेटोट्रोपिक" (यकृत निर्देशित) वायरस के एक समूह के कारण होता है।

वैरिकाला वायरस जो चिकन पॉक्स का कारण बनता है।
SARS-CoV-2, Covid-19 जैसे वायरस के कारण यकृत को नुकसान पहुंचता है जिस कारण यह वायरस भी इसका कारण बन सकते है

अन्य कारण :– ड्रग्स और अल्कोहल का दुरुपयोग, यकृत में वसा का निर्माण (फैटी लीवर हेपेटाइटिस) आदि

उपचार:

- हेपेटाइटिस के अलग-अलग प्रकार होने के कारण इनका इलाज भी अलग-अलग होता है

- हेपेटाइटिस A और E स्व-सीमित रोग (self-limiting diseases) होती है जिसका अर्थ होता है की इनके लिये किसी विशिष्ट एंटीवायरल दवाओं की आवश्यकता नहीं होती है ये अपने आप खत्म हो जाते हैं।

- हेपेटाइटिस B और C के लिये प्रभावी दवाओं की आवश्यकता होती हैं

- हेपेटाइटिस से होने वाली मौतों में से लगभग 95% केवल सिरोसिस तथा हेपेटाइटिस B और C वायरस की वजह से होती है।

- हेपेटाइटिस को खत्म करने का वैश्विक लक्ष्य 2030 तक निर्धारित किया गया है।

Result Mitra

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) यकृतशोथ B विषाणु HIV की तरह ही संचरित होता है।
(b) यकृतशोथ C का टीका होता है, जबकि यकृतशोथ B का कोई टीका नहीं होता।
(c) सार्वभौम रूप से यकृतशोथ B और C विषाणुओं से संक्रमित व्यक्तियों की संख्या HIV से संक्रमित लोगों की संख्या से कई गुना अधिक है।
(d) यकृतशोथ B और C विषाणुओं से संक्रमित कुछ व्यक्तियों में अनेक वर्षों तक इसके लक्षण दिखाई नहीं देते।

उत्तर: (b)

Result Mitra